मेरी बिगड़ी बनाने आवो

मेरी बिगड़ी बनाने आवो,
आवो मेरे घनश्याम,
डूब न जाओ बीच भवर में तुम ही प्रभु लो थाम,
आओ कन्हियाँ आओ मेरे श्याम,
रो रो पुकारू मैं तेरा नाम,
मेरी बिगड़ी बनाने आवो,

उजड़ ना जाए बगियाँ ये मेरी,
बिखर न जाए माला ये मेरी,
तुम बिन किसे सुनाऊ गाहता,
सुनलो मेरे भाग्ये विदाता,
पुरे करो मेरे काम,
डूब न जाओ बीच भवर में तुम ही प्रभु लो थाम,
आओ कन्हियाँ आओ मेरे श्याम,

गम आँखों से बहने लगे है,
दर्द जुबा पर कहने लगे है,
अब ये पीड़ सही न जाए आजा अब तू क्यों देर लगाए,
हम हो रहे नाकाम ,
डूब न जाओ बीच भवर में तुम ही प्रभु लो थाम,
आओ कन्हियाँ आओ मेरे श्याम,

तू है हमारा और तेरे हम ज़िम्मेदारी बाबा तेरी हम,
तुम्हारा कुछ न जायेगा ये निर्मल भाव तर जायेगा,
आ जायेगा आराम,
डूब न जाओ बीच भवर में तुम ही प्रभु लो थाम,
आओ कन्हियाँ आओ मेरे श्याम,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5871/title/meri-bigdi-bnane-aavo--dhub-na-jaao-beech-bhavar-me-tum-hi-prabhu-lo-tham

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |